पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

राज्यपाल ने पं0 गोविन्द बल्लभ पंत की पुण्य तिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की
पं0 गोविन्द बल्लभ पंत बहुमुखी प्रतिभा के धनी व्यक्ति थे - राज्यपाल
मतदान से सफल लोकतंत्रात्मक व्यवस्था का संदेश जायेगा - श्री नाईक

लखनऊः 7 मार्च, 2019

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक ने आज उत्तर प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री पं0 गोविन्द बल्लभ पंत की पुण्यतिथि के अवसर पर लोकभवन परिसर स्थित उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर एवं चित्र पर माल्यार्पण कर अपनी एवं प्रदेश की जनता की ओर से श्रद्धांजलि दी।

राज्यपाल ने कहा कि पं0 गोविन्द बल्लभ पंत बहुमुखी प्रतिभा के धनी व्यक्ति थे। उन्होंने गरीबों और असहायों के लिये बहुत कार्य किया है। स्वतंत्रता संग्राम में उनकी अग्रणी भूमिका थी। गांधी जी द्वारा चलाये गये आन्दोलनों में उनका सहभाग होता था। आजादी के बाद वे उत्तर प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री बने। उन्होंने सुशासन का आदर्श चित्र प्रस्तुत किया। मुख्यमंत्री रहते हुये उन्होंने उस समय जमीन से जुडे कानूनों में सुधार का कार्य किया। बाद में वे भारत सरकार में गृह मंत्री भी बने। पं0 गोविन्द बल्लभ पंत की सराहनीय सेवाओं एवं कार्यों के लिये उन्हें 'भारत रत्न' से सम्मानित किया गया। राज्यपाल ने कहा कि पं0 गोविन्द बल्लभ पंत का जीवन आदर्श है, हमें उनके जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए।

श्री नाईक ने कहा कि भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है। देश में लोकसभा चुनाव की घोषणा होने वाली है। आबादी की दृष्टि से उत्तर प्रदेश देश का सबसे बड़ा प्रदेश है। प्रदेशवासियों को मतदान कर अपने कर्तव्य का पालन करना चाहिये। पूर्व में मताधिकार हेतु 21 वर्ष की आयु निर्धारित थी परन्तु संविधान में संशोधन कर उसे 18 वर्ष किया गया। संविधान द्वारा दिये गये मताधिकार का प्रयोग कर जनता के लिये योग्य प्रतिनिधि और योग्य सरकार चुनने का काम करना चाहिये। राज्यपाल ने कहा कि किस पार्टी अथवा दल को मतदान करना है यह जनता का अधिकार है परन्तु मतदान अवश्य करें जिससे विश्व में भारत की सबसे बड़ी एवं सफल लोकतंत्रात्मक व्यवस्था का संदेश जायेगा। उन्होंने कहा कि यही हमारे महापुरूषों एवं स्वतंत्रता सेनानियों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

अंजुम/ललित/राजभवन (97/12)

स्वतंत्रता के संघर्षकाल में वे हमारी
जनता के एक महान् सेनानायक थे
और स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद भी
हमारे देश को एक गौरवशाली
प्रदान किया। वे हमारे प्रिय
पर्वतराज हिमालय के वरद् पुत्र थे।
उनके व्यक्तित्व में हिमालय की सी
शान्ति एवम् धैर्य का निवास था। वे
दृढ़ता की चट्टान थे और थे जन-मन
तथा उसके पथ को ज्योतित करने
वाले एक विशाल प्रकाश-स्तम्भ।
हम उनके रिक्त स्थान की पूर्ति
कर सकेगें अथवा उनके जैसा दूसरा
नेता पा सकेगें!
पं0 जवाहर लाल नेहरु
स्वतंत्रता संग्राम के अग्रणी नायक
पं0 गोविन्द
10 सितम्बर,

स्वतंत्रता के संघर्षकाल में वे हमारी
जनता के एक महान् सेनानायक थे
और स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद भी
हमारे देश को एक गौरवशाली
प्रदान किया। वे हमारे प्रिय
पर्वतराज हिमालय के वरद् पुत्र थे।
उनके व्यक्तित्व में हिमालय की सी
शान्ति एवम् धैर्य का निवास था। वे
दृढ़ता की चट्टान थे और थे जन - मन
तथा उसके पथ को ज्योतित करने
वाले एक विशाल प्रकाश-स्तम्भ।
कैसे हम उनके रिक्त स्थान की पूर्ति
कर सकेगें अथवा उनके जैसा दूसरा
नेता पा सकेगें।
पं0 जवाहर लाल नेहरु
स्वतंत्रता संग्राम के अग्रणी नायक
भारत रत्न
सितम्बर,
07 मार्च,
अनावरण